ई.एच.आई.–04

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी.)

सत्रीय कार्य
(जुलाई 2017 और जनवरी 2018 सत्रों के लिए)

पाठ्यक्रम कोड : ई.एच.आई.–04

पाठ्यक्रम शीर्षक :
भारत : 16वीं शताब्दी से 18वीं शताब्दी के मध्य तक

इतिहास संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

सत्रीय कार्य
2017–2018

कार्यक्रम कोड : बी.डी.पी.
पाठ्यक्रम कोड : ई.एच.आई.–04

प्रिय विद्यार्थी,

जैसा कि आपको बी.डी.पी. की कार्यक्रम दर्शिका में बताया गया है आपको इस ऐच्छिक पाठ्यक्रम के लिए एक अध्यापक जांच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना होगा।

सत्र	जमा करने की तिथि	कहां जमा करना है
जुलाई 2017 सत्र के लिए	**31 मार्च 2018**	**पूरा किया हुआ सत्रीय कार्य अपने केंद्र के संयोजक के पास जमा करा दें।**
जनवरी 2018 सत्र के लिए	**30 सितम्बर 2018**	

सत्रीय कार्य में दिए गए प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को सावधानीपूर्वक पढ़ लीजिए।

सत्रीय कार्य करने से पहले कुछ बातें :

सत्रीय कार्य करने से पहले ध्यान रखें : सामाजिक विज्ञानों में किसी भी तरह के लेखन के लिए चार सोपान आवश्यक हैं। ये हैं (क) योजना (ख) वस्तु चयन (ग) प्रस्तुतीकरण (घ) व्याख्या

क) योजना : आपसे क्या प्रश्न पूछा गया है और उत्तर में क्या लिखना है। इस पर विचार कीजिए। इकाइयों का ठीक तरह से अध्ययन कीजिए। कुछ अतिरिक्त जानकारी चाहें तो पुस्तकालय का उपयोग कीजिए।

यह देखें कि प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में देना है या 250 शब्दों में या सिर्फ 100 शब्दों में। बड़े प्रश्नों के लिए विवरणों के साथ व्याख्या भी करनी होगी। तीसरे प्रकार के प्रश्न के उत्तर में संगत विवरणों को संक्षेप में प्रस्तुत करें।

ख) वस्तु चयन : उत्तर देने के लिए आपको सही तथ्यों तथा विवरणों का चयन करना होगा। इसके लिए आप (i) अपनी इकाइयों से नोट्स लें (ii) तथ्यों को ध्यान से देखें और उत्तर के लिए अनावश्यक विवरण निकाल दें और (iii) उत्तर का पहला खाका लिख लें। इससे आपको यह समझने में मदद मिलेगी कि आप उत्तर में क्या सूचनाएं/विवरण प्रस्तुत करना चाहते हैं।

ग) **प्रस्तुतीकरण** : अब आप उत्तर का दूसरा खाका तैयार करें। इससे आप अपने विचारों को स्पष्टता से व्यक्त कर सकेंगे। आप यह भी जान सकेंगे कि दी गयी शब्द सीमा में आप बात कैसे कह सकते हैं।

उत्तर का तीसरा और अंतिम प्रारूप तैयार कीजिए और देखिए कि आपने सारी आवश्यक बातें अपेक्षित शब्द सीमा में प्रस्तुत की हैं या नहीं।

घ) **व्याख्या** : इतिहास लेखन में व्याख्या की प्रक्रिया का अनन्य स्थान है। आपकी योजना तथा वस्तु चयन में भी व्याख्या की झलक दिखाई देगी। संभवतः, शायद, क्योंकि, इसलिए, आदि शब्दों के साथ आपके वक्तव्य व्याख्या की झलक देते हैं। यहां आपको ध्यान रखना होगा कि आपके तथ्य आपके वक्तव्य का समर्थन करते हैं अथवा नहीं।

टिप्पणी : अगर आपके पास समय सीमित हो तो :

1) पहला प्रारूप तैयार करें, उत्तर की संगतता, शब्द सीमा, आदि पर ध्यान दें, और
2) अंतिम प्रारूप तैयार करें।

अब आप उत्तर लिखने के लिए तैयार होंगे।

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य
ई.एच.आई.–04
भारत : 16वीं शताब्दी से 18वीं शताब्दी के मध्य तक

पाठ्क्रम कोड : ई.एच.आई.–04
सत्रीय कार्य कोड : ई.एच.आई.–04/
ए.एस.टी./टी.एम.ए./2017–2018
पूर्णांक :100

नोट : यह सत्रीय कार्य तीन भागों में विभाजित है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न के निर्धारित अंक प्रश्न के सामने लिखे हैं।

भाग 1: प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

1. भारत में पुर्तगाली व्यापार का पूंजी-प्रबंधन किस प्रकार किया जाता था? **20**

अथवा

दक्खनी राज्यों के प्रति मुगल बादशाहों द्वारा अपनायी गई नीतियों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

2. मुगल शासक-वर्ग का संक्षिप्त में वर्णन कीजिए। साम्राज्य के वित्तीय-संसाधनों में उनका हिस्सा कितना था ? **20**

अथवा

अकबर के अधीन चित्रकला के मुगल स्कूल के विकास की रूपरेखा प्रस्तुत कीजिए।

भाग 2: प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए।

3. सोलहवीं शताब्दी में दक्षिण भारत की राजनीतिक संरचना की चर्चा कीजिए। **12**

अथवा

अपने राज्यारोहण के समय हुमायुँ द्वारा किन समस्याओं का सामना करना पड़ा? उन पर उसने किस प्रकार विजय पायी?

4. मुगलों के अधीन भू-राजस्व मूल्यांकन के तरीकों का संक्षिप्त में वर्णन कीजिए। **12**

अथवा

मराठों की प्रशासनिक संरचना की चर्चा कीजिए?

5. अकबर के अधीन **मनसब** प्रणाली के विकास पर एक टिप्पणी लिखिए। **12**

अथवा

मुगल साम्राज्य के पतन संबंधी साम्राज्य केन्द्रित दृष्टिकोण की चर्चा कीजिए।

6. सोलहवीं-सत्रहवीं शताब्दियों में दक्खन तथा दक्षिण भारत में भू-अधिकारों की विभिन्न श्रेणियों की चर्चा कीजिए। **12**

अथवा

सत्रहवीं शताब्दी में भारत में विभिन्न तकनीकों के प्रचलन का संक्षिप्त में वर्णन कीजिए।

भाग 3: प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए।

7. **निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर लगभग 100–100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिए :** **6+6**

क) मुगल भारत के अध्ययन संबंधी यूरोपीय स्त्रोत
ख) बीजापुर राज्य
ग) तुर्क-मंगोल प्रभुसत्ता की अवधारणा
घ) 16वीं-17वीं शताब्दियों में बंगाली भाषा एवं साहित्य